

प्रेषक,

आर० मीनाक्षी सुन्दरम्
सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
मत्स्य विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-03 (मत्स्य)

देहरादून: दिनांक 10 अप्रैल, 2017

विषय-

वित्तीय वर्ष 2017-18 हेतु अनुदान संख्या 28 के अन्तर्गत 2405-मछली पालन, 001-निदेशन तथा प्रशासन, 03-अधिष्ठान योजना में धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1343/बजट मार्ग/2017-18, दिनांक 05.04.2017 द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावानुसार एवं वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-312/3(150) XXVII(1)/2017, दिनांक 31.03.2017 में प्रदत्त दिशा-निर्देशों के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2017-18 में लेखानुदान से प्राविधानित आय व्ययक में अनुदान संख्या-28 के तहत आयोजनेत्तर मदों में प्राविधानित धनराशि ₹ 41998.00 हजार धनराशि के सापेक्ष निम्नलिखित वचनबद्ध एवं अवचनबद्ध मदों में ₹ 41998.00 लाख (₹ चार करोड़, उन्नीस लाख, अठानवे हजार मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखते हुए इसे आहरण कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि ₹ हजार में)

क्र० सं०	योजना का संक्षिप्त शीर्षक (मानक मद संख्या एवं मद का नाम)	वित्तीय वर्ष 2017-18 में लेखानुदान से बजट प्राविधान	अवमुक्त की जा रही धनराशि
-1-	-2-	-3-	-4-
1.	01-वेतन	36000	36000
2.	02-मजदूरी	77	77
3.	03-मंहगाई भत्ता	2153	2153
4.	04-यात्रा भत्ता	167	167
5.	05-स्थानान्तरण यात्रा भत्ता	67	67
6.	06-अन्य भत्ते	1674	1674
7.	07-मानदेय	17	17
8.	08-कार्यालय व्यय	167	167
9.	09-विद्युत देय	117	117
10.	10-जलकर/जलप्रभार	13	13
11.	11-लेखन सामग्री	67	67
12.	12-कार्यालय फर्नीचर कय	50	50
13.	13-टेलीफोन व्यय	40	40

14.	15-गाड़ियों का अनुरक्षण	300	300
15.	16-व्यावसायिक सेवा	533	533
16.	17-किराया, उपशुलक	50	50
17.	18-प्रकाशन	20	20
18.	19-विज्ञापन, विक्री	20	20
19.	22-आतिथ्य व्यय	13	13
20.	26-मशीनें और सज्जा	67	67
21.	27-चिकित्सा प्रतिपूर्ति	200	200
22.	29-अनुरक्षण	37	37
23.	42-अन्य व्यय (मतदेय)	13	13
24.	44-प्रशिक्षण	33	33
25.	45-अवकाश यात्रा सुविधा	17	17
26.	46-कम्प्यूटर हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर	33	33
27.	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण	53	53
	योग	41998	41998

1. धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-312/3(150)XXVII(1)/2017, दिनांक 31.03.2017 एवं सुसंगत शासनादेशों में दिये गये दिशा-निर्देशों एवं प्रतिबन्धों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

2. धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए।

3. स्वीकृत धनराशि का उपयोग शासन द्वारा समय-समय पर जारी मितव्ययता संबंधी आदेशों व वित्तीय हस्तपुस्तिका में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत किया जायेगा।

4. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक प्रतिमाह की 5 तारीख तक बी0एम0-08 प्रपत्र पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।

5. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों एवं क्रय संबंधी शासनादेशों का पालन किया जायेगा। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

6. जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जायें, उनमें स्पष्टरूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्यमेव किया जायेगा।

7. अवमुक्त की जा रही धनराशि उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।

8. किसी भी क्रय/विक्रय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008, (समय-समय पर यथा संशोधित) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-01, (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-05 भाग (लेखा नियम), आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय साथ ही मितव्ययता संबंधी आदेशों, डी.जी.एस.एन.डी. की दरें, टेण्डर/कोटेशन विषयक नियमों के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के दिशा-निर्देशों का भी पूर्णतः अनुपालन किया जाये।

9. किसी भी दशा में एक मद की धनराशि दूसरे मद में व्यय नहीं की जाये अन्यथा की स्थिति में सक्षम अधिकारी का पूर्णतः उत्तरदायित्व होगा, जो बिल को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाय उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ संबंधित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्यमेव किया जाय।

10. सुनिश्चित किया जाय कि (वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड-5 भाग-1 के पैरा-162) समस्त आहरित अग्रिमों का समायोजन आहरण-वितरण अधिकारियों द्वारा 30 दिनों के अन्दर कर दिया जाय तथा डीटेल्ड कन्टीजेन्ट (डी0सी0) बिल महालेखाकार को भेज दिये जाय। विभिन्न अग्रिमों का आहरण अधिकारों के प्रतिनिधायन 2010 में दी गयी सीमाओं के अनुसार ही किया जाय।

2- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2405-मछली पालन-00-आयोजनेत्तर-001-निदेशन तथा प्रशासन -03-अधिष्ठान के अन्तर्गत सुसंगत इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग शासनादेश संख्या-312/3(150)XXVII(1)/2017, दिनांक 31.03.2017 में प्रदत्त दिशा-निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आर० मीनाक्षी सुन्दरम्)
सचिव

संख्या- 104 (1)/XV-3/2017-08(05)/2016(बजट), तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
3. कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. निजी सचिव, मा0 मंत्री, मत्स्य, उत्तराखण्ड सरकार को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ प्रेषित।
5. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. निदेशक, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(जी०बी० ओली)
अपर सचिव